# Video #752

Resources by Dhruv Rathee

| Sr. No. | Statement | Source | Link to Source |
| --- | --- | --- | --- |
| 1 | असल में कुछ हफ्ते पहले, 3 जून 1947 को शाम 4 बजे All India Radio पर एक आवाज गूंजी। यह आवाज थी India के last Viceroy Lord Louis Mountbatten की. उन्होंने announce किया कि Britishers India छोड़ रहे हैं और 15 अगस्त 1947 को आज़ादी मिल जाएगी, लेकिन इसमें एक शर्त थी, इस देश के दो टुकड़े होंगे। | The Tribune<br>3rd June 2017 | https://www.tribuneindia.com/news/archive/comment/plan-that-went-awry-416664/ |
| 2 | उस समय Britishers को महसूस हो रहा था कि वो एक बारूद से भरे एक जहाज़ पर बैठे हैं जिसमें आग लग चुकी है। उनको लग रहा था जितनी जल्दी हो सके, भारतीयों को इस देश की जिम्मेदारी सौंप कर भाग जाओ. | Book: Freedom at Midnight | https://amzn.in/d/eobKSrk |
| 3 | Jinnah को India नाम से दिक्कत थी। वो चाहते थे कि इन दोनों देशों का नाम Hindustan और Pakistan हो, और इन दोनों को साथ मिलाकर India कहा जाए। लेकिन India के leaders का कहना था कि India से टूट कर Pakistan बन रहा है, तो India अपना नाम क्यों बदले। लेकिन Mountbatten ने Nehru की India नाम रखने की demand मान ली। Jinnah इससे काफ़ी upset थे। | The Indian Express<br>8th September 2023 | https://indianexpress.com/article/explained/explained-history/pakistan-jinnah-opposed-name-india-8927202/ |
| 4 | इसलिए Britishers ने London से एक ऐसे आदमी को चुना जिसका India से कोई लेना-देना नहीं था. ये आदमी थे, Sir Cyril Radcliffe. Radcliffe एक distinguished lawyer थे जिनको India का "I" भी नहीं पता था। | Book: Freedom at Midnight | https://amzn.in/d/eobKSrk |

| Sr. No. | Statement | Source | Link to Source |
|---|---|---|---|
| 5 | Radcliffe 8 July को India पहुंचे। | First Post<br>14th August 2025 | https://www.firstpost.com/explainers/india-pakistan-borders-cyril-radcliffe-divided-history-explained-13922328.html |
| 6 | उनको लगा था कि कम से कम इस division को करने के लिए उनके पास भरपूर समय और resources तो होंगे, लेकिन उनको Mountbatten ने कहा कि 15 August तक उनको ये काम पूरा करना है जो बस कुछ ही हफ़्ते दूर है। और वो उन जगहों को देख तक नहीं पाएंगे जिनको उन्हें divide करना है। | Book: Freedom at Midnight | https://amzn.in/d/eobKSrk |
| 7 | Radcliffe को उनकी help के लिए 4 local advisors दिए गए थे, जिनमें से 2 Congress से और 2 Muslim League से। लेकिन ये लोग भी आपस में झगड़ते ही रहते थे। | First Post<br>14th August 2025 | https://www.firstpost.com/explainers/india-pakistan-borders-cyril-radcliffe-divided-history-explained-13922328.html |
| 8 | Division का basis clear था, जिन जिलों में मुसलमानों की majority है वो Pakistan को जाएँगे, और जिन जिलों में हिंदुओं और सिखों की majority है वो India को, लेकिन Radcliffe के पास जो map था वो भी exact नहीं था, और Population के आंकड़े भी उतने reliable नहीं थे। | Book: Freedom at Midnight | https://amzn.in/d/eobKSrk |
| 9 | Calcutta उन्होंने India को दे दिया क्योंकि वहां Hindu population ज़्यादा थी। | Book: Freedom at Midnight | https://amzn.in/d/eobKSrk |
| 10 | लेकिन Lahore में 5 लाख Hindus, 1 लाख Sikhs और 6 लाख Muslims रहते थे, तो किसी की भी साफ़ majority नहीं थी। | Book: Freedom at Midnight | https://amzn.in/d/eobKSrk |

| Sr. No. | Statement | Source | Link to Source |
|---|---|---|---|
| 11 | Radcliffe पहले Lahore भी India को देने वाले थे.. लेकिन फिर उन्हें लगा कि अगर उन्होंने दोनों बड़े शहर India को दे दिए, तो Pakistan के पास कोई major urban centre ही नहीं बचेगा। | First Post 14th August 2025 | https://www.firstpost.com/explainers/india-pakistan-borders-cyril-radcliffe-divided-history-explained-13922328.html |
| 12 | लेकिन दोस्तों, देश का बंटवारा सिर्फ ज़मीन का नहीं था। हर चीज़ बांटनी थी। हर file, हर furniture, हर ceiling fan से लेकर हर board pin तक। एक bizzare case में 1946 में Bengal Government ने England से 60 बत्तखें मंगवाई थीं। July 1947 में जब ये बत्तखें Calcutta पहुंचीं, तो £250 का bill भी आया। लेकिन अब सवाल ये था कि ये बत्तखें किसकी हैं? West Bengal की या East Bengal की? या फिर 30-30 बांट दी जाएं? Finance Secretary ने payment रोक दी। बत्तखें warehouse में neglected पड़ी रहीं। बत्तखों से लेकर typewriters तक, soap cases से लेकर library books तक, हर चीज़ पर लड़ाई हुई। | Mahanirban Calcutta Research Group | http://www.mcrg.ac.in/rw%20files/RW39_40/1.pdf |

| Sr. No. | Statement | Source | Link to Source |
|---|---|---|---|
| 13 | Radcliffe ने Boundary draw करने के लिए अपनी 2,000 Pounds की fee लेने से साफ़ मना कर दिया। Radcliffe ने ये काम british empire के लिए अपनी duty समझ कर किया था, लेकिन उनको भी अंदाजा था कि इससे कितने लोगों की जिंदगी तबाह होने वाली है ,13 August की सुबह Mountbatten को Boundary Commission की report दे दी गई। Mountbatten ने इन्हें एक safe में lock कर दिया। Mountbatten Radcliffe के boundary decision को 15 August तक secret रखना चाहते थे। उनका मानना था कि Radcliffe ने जो भी decision लिया होगा उससे दोनों देश नाराज़ होंगे। उनका कहना था कि पहले लोगों को आजादी का जश्न मना लेने दो और जो भी इससे परेशानी होगी उससे ये लोग बाद में निपट लेंगे। | Book: Freedom at Midnight | https://amzn.in/d/eobKSrk |

| Sr. No. | Statement | Source | Link to Source |
|---|---|---|---|
| 14 | 15 August की सुबह, जब दुनिया India और Pakistan की आज़ादी celebrate कर रही थी, करोड़ों लोगों को ये नहीं पता था कि वो किस देश के citizen हैं। District magistrates को नहीं पता था कि उन्हें किसे report करना है–Delhi या Karachi? जब finally Mountbatten ने वो sealed envelopes Nehru और Liaquat Ali Khan को दिए, उन्होंने suggest किया कि दोनों अलग-अलग rooms में जाकर इसे study करें और दो घंटे बाद joint meeting के लिए आएं। दो घंटे बाद जब दोनों लौटे, तो दोनों बराबर गुस्से में थे। लेकिन सबसे बड़ी controversy एक छोटे से शहर को लेकर थी: Gurdaspur. यहाँ Radcliffe ने Ravi river की natural boundary follow की और इस Muslim-majority area को India में रख दिया। | Book: Freedom at Midnight | https://amzn.in/d/eobKSrk |
| 15 | 17 August को जब boundaries public हुई | The New York Times 14th August 2022 | https://www.nytimes.com/2022/08/14/world/asia/india-partition-history-photos.html |
| 16 | तो Punjab में human history का सबसे बड़ा migration हुआ। | Book: Freedom at Midnight | https://amzn.in/d/eobKSrk |
| 17 | Radcliffe की line ने 50 लाख Sikhs और Hindus को Pakistan के Punjab में छोड़ दिया था, और 50 लाख से ज़्यादा Muslims को India के Punjab में। | Book: Freedom at Midnight | https://amzn.in/d/eobKSrk |

| Sr. No. | Statement | Source | Link to Source |
|---|---|---|---|
| 18 | अब इन सबको अपना घर छोड़कर उस देश जाना था जो "उनका" था, एक ऐसा देश जिसे उनमें से बहुत लोगों ने कभी देखा भी नहीं था। Punjab की सड़कों पर धूल के गुबार में लिपटे हुए, 50-50 मील लंबी इंसानों की कतारें चल रही थीं। बैलगाड़ियों में बूढ़े लोग थे, माँ-बाप के कंधों पर बच्चे थे, और सर पर सामान था जो उनकी पूरी गृहस्थी था। | Caravan<br>30th June 2015 | https://caravanmagazine.in/vantage/did-sikhs-squads-participate-organised-attempt-cleanse-east-punjab-during-partition |
| 19 | ये लोग उस देश की तरफ भाग रहे थे जिसे उन्होंने कभी देखा नहीं था। सरकार ने सोचा था कि शांति बनी रहेगी। उन्होंने "Punjab Boundary Force" बनायी थी–55,000 soldiers की एक army जो law and order maintain करेगी। | Book: Freedom at Midnight | https://amzn.in/d/eobKSrk |
| 20 | July के आखिर में Mountbatten Gandhi से मिले। उन्होंने Britishers के हिसाब से एक अजीब सी request की। उन्होंने कहा- शायद आप अपनी personality और nonviolent ideal की ताकत से वो कर सकते हैं जो कोई army नहीं कर सकती। उन्होंने Gandhi को कहा, "आप Calcutta में हमारी मदद करो. You'll be my one-man boundary force." | Book: Freedom at Midnight | https://amzn.in/d/eobKSrk |
| 21 | 13 August को Gandhi Calcutta पहुंचे। यहाँ रहने के लिए उन्होंने Beliaghata का Hydari House चुना, एक abandoned, टूटा-फूटा, गंदा घर। | Book: Freedom at Midnight | https://amzn.in/d/eobKSrk |

| Sr. No. | Statement | Source | Link to Source |
|---|---|---|---|
| 22 | Gandhi ने उनके सामने दो शर्तें रखीं। पहली यह कि Suhrawardy को Noakhali के Muslims से एक pledge लेना होगा कि वो वहां के Hindus को safe रखेंगे। अगर एक भी Hindu मारा गया, तो Gandhi उसके ख़िलाफ़ आमरण अनशन करेंगे। और दूसरा ये कि Suhrawardy को उनके साथ उसी घर में रहना होगा - बिना किसी हथियार के, बिना किसी security के। | Book: Freedom at Midnight | https://amzn.in/d/eobKSrk |
| 23 | इसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही, इससे Gandhi के समर्थक ही उनसे नाराज़ हो गए। लेकिन इसकी वजह से 15 August को एक चमत्कार हुआ। कोई दंगा नहीं हुआ। जो लोग धर्म के नाम पर एक दूसरे के दुश्मन बने, वो सड़कों पर गले मिलने लग गए थे। लेकिन ये चमत्कार 16 दिन ही टिका। 16 दिन तक कोई violence नहीं हुआ लेकिन धीरे-धीरे Punjab से आने वाली horror stories Calcutta पहुँच गई और वहाँ भी हिंसा भड़क गई. Hydari House से थोड़ी दूर Beliaghata Road पर दो hand grenades एक truck पर फेंके गए जो Muslims को ले जा रही थी। Gandhi तुरंत वहां पहुंचे। | Book: Freedom at Midnight | https://amzn.in/d/eobKSrk |

| Sr. No. | Statement | Source | Link to Source |
|---|---|---|---|
| 24 | उस रात Mahatma Gandhi ने एक announcement की. Calcutta में sanity बहाल करने के लिए, Gandhi आमरण अनशन करने वाले थे। 1 September की रात Gandhi ने fast शुरू कर दिया। तीन दिन में वो बहुत कमजोर हो गए थे और उनकी आवाज़ भी नहीं निकल रही थी. जैसे-जैसे ये खबर फैली कि Gandhi की तबीयत बिगड़ रही है, Calcutta का माहौल बदलने लगा, लोग बापू की तस्वीरें लेकर सड़कों पर निकल आए. उनके समर्थन में Hindus और Muslims साथ में आ गए, और लोगों से हिंसा रोकने की अपील की। फिर कुछ ऐसा हुआ जो किसी ने सोचा नहीं था। | Book: Freedom at Midnight | https://amzn.in/d/eobKSrk |
| 25 | 27 गुंडे जिन्होंने दंगों में भाग लिया था, वो Hydari House के दरवाज़े पर आए। उन्होंने अपने crimes confess किए और Gandhi से माफ़ी मांगी। उस शाम, वो गुंडे आए जो Beliaghata Road पर मुस्लिम मज़दूरों के murders के लिए ज़िम्मेदार थे। फिर उन्होंने अपने चाकू, बंदूकें और सब हथियार Gandhi के पैरों में रख दिए। Gandhi ने कहा कि जिनको तुमने सताया है अब उनकी रक्षा करो। 4 September की शाम, 73 घंटों के बाद, Gandhi ने अपना fast तोड़ा। इसे "Miracle of Calcutta" बोला जाता है। जो काम 55000 लोगों की police force नहीं कर पाई, वो एक बूढ़े आदमी ने बिना किसी हथियार को उठाए कर दिया। Gandhi की ज़िंदगी में Calcutta में फिर कभी communal riot नहीं हुआ। | Book: Freedom at Midnight | https://amzn.in/d/eobKSrk |

| Sr. No. | Statement | Source | Link to Source |
|---|---|---|---|
| 26 | लेकिन दोस्तों, partition सिर्फ India और Pakistan के बीच ही नहीं हो रहा था। 1947 में 500 से भी ज़्यादा Princely States, यानी रजवाड़े, British India की geography में बिखरे हुए थे। British East India Company ने इन states पर treaties थोपी थीं जिनमें Company को "Paramount Power" माना गया। मतलब legally तो ये राज्य Nawabs और Maharajas के थे, लेकिन सब British decide करते थे। और इनको राजा बनाए रखने के बदले ये British को भारी subsidy देते थे। Political dependence के साथ-साथ economic dependence भी थी, raw materials, industrial goods, और नौकरियां ये सब कुछ British India पर निर्भर था। | Book: India After Gandhi | https://amzn.in/d/c9S10ak |
| 27 | लेकिन जब 1946 में Cabinet Mission आया, तो उसने सिर्फ Hindu-Muslim question पर focus किया। Princely States का ज़िक्र तक नहीं। 3 June 1947 को British ने announce किया कि वो जा रहे हैं और दो dominions बनेंगे, लेकिन फिर भी states का क्या होगा, ये clear नहीं किया। और इसी ambiguity में कुछ राजाओं ने "independent power के wild dreams" देखने शुरू कर दिए। | Book: India After Gandhi | https://amzn.in/d/c9S10ak |

| Sr. No. | Statement | Source | Link to Source |
|---|---|---|---|
| 28 | Mountbatten ने Sardar Patel को एक deal propose की। अगर Congress राजाओं को उनके titles, palaces, privy purses, और privileges रखने दे, तो वो राजाओं को 15 August से पहले India join करने के लिए convince करेंगे। (page 198) इन Princely States को इन लोगों ने Apples की analogy दी। हर Princely State के लिए एक apple. Sardar Patel ने कहा कि अगर Mountbatten उनको इन सारे apples से भरी basket लाकर दे तो वो इसे लेने को तैयार हैं. Mountbatten ने कहा कि इसमें से 6 को छोड़ कर बाक़ी सब में ले आऊंगा। 565 minus 6, मतलब Mountbatten को 550 से ज़्यादा सेब तोड़ने थे, वो भी August 15 से पहले। (page 199) (Episode 4, 06:03- 06:13) इस सब के बीच Jawaharlal Nehru ने Mountbatten को offer किया कि वो independent India के पहले Governor-General बनें। | Book: Freedom at Midnight | https://amzn.in/d/eobKSrk |
| 29 | Jinnah खुद Governor-General बन गए। Mountbatten ने उन्हें समझाने की कोशिश की कि British constitutional system में असली power Prime Minister के पास होती है। Jinnah को Prime Minister बनना चाहिए, Governor-General नहीं। लेकिन Jinnah नहीं माने। उन्होंने कहा "In Pakistan, I will be Governor-General, and the Prime Minister will do what I tell him to do." | Book: Freedom at Midnight | https://amzn.in/d/eobKSrk |
| 30 | इसके अलावा Sardar Patel ने इस काम की एक ऐसे आदमी को दी, जो British India के सबसे powerful Indian civil servants में से एक थे। | BBC<br>16th August 2022 | https://www.bbc.com/news/world-asia-india-62422428 |

| Sr. No. | Statement | Source | Link to Source |
|---|---|---|---|
| 31 | Mountbatten के Adviser भी रहे थे | Book: India After Gandhi | https://amzn.in/d/c9S10ak |
| 32 | Patel के साथ अच्छे से coordinate भी कर सकते थे। | BBC 16th August 2022 | https://www.bbc.com/news/world-asia-india-62422428 |
| 33 | ज़्यादातर राजाओं ने sign कर दिया, लेकिन बहुतों के लिए ये बहुत painful था। | Book: Freedom at Midnight | https://amzn.in/d/eobKSrk |
| 34 | Central India के एक Raja ने sign करते ही heart attack से दम तोड़ दिया। Punjab के 8 Maharajas ने एक साथ sign किया - माहौल ऐसा था जैसे किसी का cremation हो रहा हो। (page 222) सबसे dramatic scene था Jodhpur के young Maharaja का। उनको ऐसा लगता था कि congress के socialist राज से वो adjust नहीं कर पाएंगे। वो Jaisalmer के महाराजा के साथ secretly Jinnah से मिलने चले गए। Jinnah ने उन्हें blank paper दिया और कहा - "अपनी conditions लिखो, मैं sign कर दूंगा।" लेकिन V.P. Menon को पता चल गया। उन्होंने Mountbatten को वहाँ बुलाया. Mountbatten ने Maharaja को समझाया, और finally वो sign करने को राज़ी हुए। | Book: Freedom at Midnight | https://amzn.in/d/eobKSrk |
| 35 | एक mini-pistol V.P. Menon के सिर पर तान दी! Mountbatten को वापस आकर pistol छीननी पड़ी। | Book: Freedom at Midnight | https://amzn.in/d/eobKSrk |
| 36 | सबसे अजीब कहानी थी Junagadh की। Junagadh में Nawab Muslim थे , लेकिन वहाँ की 82% population Hindu थी। और Junagadh चारों तरफ से India से घिरा हुआ था। (page 52) Junagadh के Nawab, Mahabat Khan, कुत्तों के शौकीन थे. | Book: India After Gandhi | https://amzn.in/d/c9S10ak |

| Sr. No. | Statement | Source | Link to Source |
|---|---|---|---|
| 37 | उन्होंने अपनी favorite female dog 'Roshanara' की शादी 'Bobby' नाम के कुत्ते से कराई और उसमें करोड़ों रुपये खर्च किए। | Book: Freedom at Midnight | https://amzn.in/d/eobKSrk |
| 38 | Sir Shah Nawaz Bhutto ने Junagadh के नवाब के मन में ये बात बिठा दी कि independent India का पहला act उसके कुत्तों को ज़हर देकर मारना होगा। और वो उसे उसके कुत्तों के साथ नहीं रहने देंगे। | Book: Freedom at Midnight | https://amzn.in/d/eobKSrk |
| 39 | 14 August 1947 को Junagadh ने announce किया कि वो Pakistan में शामिल होगा। Pakistan ने इसपर कई दिन तक कुछ नहीं किया लेकिन 13 September को उसने Junagadh का accession accept कर लिया। | Book: India After Gandhi | https://amzn.in/d/c9S10ak |
| 40 | Pakistan Junagarh को Kashmir के लिए एक bargaining chip की तरह use करना चाहता था। Patel ने Indian Army को order दिया कि वो Junagadh को चारों तरफ से घेर ले। यह देखकर Nawab plane में Karachi अपने कुत्तों के साथ भाग गए। (page 52) 9 नवंबर को Junagarh India में शामिल हो गया। उसके बाद India ने यहाँ पर एक Plebiscite (जनमत संग्रह) कराया जिसमें 91% लोगों ने India में शामिल होने के लिए vote किया | Book: Freedom at Midnight | https://amzn.in/d/eobKSrk |

| Sr. No. | Statement | Source | Link to Source |
|---|---|---|---|
| 41 | July 1947 में Lord Mountbatten Hari Singh से मिले। उन्होंने कहा कि आप अपनी Muslim population को देखते हुए Pakistan में शामिल हो जाओ। Hari Singh ने इससे साफ़ मना कर दिया। Mountbatten ने फिर उनको India join करने की सलाह दी। Hari Singh बोले - "वो भी नहीं। मुझे अपना आज़ाद देश चाहिए।" Mountbatten ने warn किया - "अगर आपने जल्दी फ़ैसला नहीं लिया, तो ये India-Pakistan के बीच जंग का कारण बनेगा।" लेकिन Hari Singh टस से मस नहीं हुए। इसके बाद कुछ ऐसा हुआ जिससे पूरी equation बदल गई। | Book: Freedom at Midnight | https://amzn.in/d/eobKSrk |
| 42 | September 1947 में Lahore में एक secret meeting हुई जिसका Agenda था कि Hari Singh को कैसे pakistan join करने के लिए मजबूर करें? इन्होंने plan बनाया कि Northwest Frontier के Pathan tribesmen को भेजकर Kashmir पर हमला कर दो। ये वो warriors थे जिनसे अंग्रेज़ भी डरते थे। इसके लिए इन tribals को Kashmir के बाज़ार लूटने का लालच भी दिया गया लेकिन यही "लूट का वादा" आगे चलकर Pakistan का सबसे बड़ा दुश्मन बनने वाला था। 24 October 1947. दशहरे के दिन Srinagar palace में अचानक अंधेरा छा गया। पूरे Srinagar को बिजली देने वाले Mahura power station को Pathans ने dynamite लगाकर उड़ा दिया गया था। | Book: India After Gandhi | https://amzn.in/d/c9S10ak |

| Sr. No. | Statement | Source | Link to Source |
|---|---|---|---|
| 43 | Maharaja Hari Singh ने इसके बाद तुरंत Indian government से मदद माँगी। (Episode 5, 08:16- 08:24) इसके कुछ ही दिन में महाराजा Hari Singh ने India के साथ Instrument of Accession sign किया। | Book: India After Gandhi | [https://amzn.in/d/c9S10ak](https://amzn.in/d/c9S10ak) |
| 44 | 27 October की सुबह India का पहला major military operation शुरू हुआ। 329 Sikh soldiers Srinagar airport पर उतरे। | Book: Freedom at Midnight | [https://amzn.in/d/eobKSrk](https://amzn.in/d/eobKSrk) |
| 45 | लेकिन ये possible इसलिए हुआ क्योंकि Pathans अपना असली मकसद भूल कर लूटपाट में busy हो गए। इनका plan Srinagar Airport पर कब्जा करने का था ताकि Indian Air Force वहाँ land न कर पाए। लेकिन Baramulla में ये invaders लूटपाट करने में busy हो गए, जो Srinagar से सिर्फ़ 30 miles पहले था। इन्होंने वहाँ का बाज़ार लूटा। और St. Joseph's Convent पर हमला किया लूटा, और nuns के साथ rape किया। ये brutality उन्हें घंटों Baramulla में रोके रही।और इसी वजह से Kashmir कभी Jinnah का नहीं हुआ। इसी देरी की वजह से Indian Army ने Srinagar airport secure कर लिया। | Book: Freedom at Midnight | [https://amzn.in/d/eobKSrk](https://amzn.in/d/eobKSrk) |
| 46 | Indian Army ने Srinagar के चारों तरफ एक protective ring बना दी। अब वहां 4,000 troops थे, machine guns के साथ। Srinagar safe हो चुका था। और अब Indians ने बाकी Valley से invaders को खदेड़ना शुरू किया। 8 November को Baramulla वापस ले लिया गया। चार दिन बाद Mahuta capture हुआ। अगले दिन Uri भी आ गया। | Book: India After Gandhi | [https://amzn.in/d/c9S10ak](https://amzn.in/d/c9S10ak) |

| Sr. No. | Statement | Source | Link to Source |
|---|---|---|---|
| 47 | 1 January 1948 को Mountbatten की सलाह पर India Kashmir का issue United Nations में ले गया। India का कहना था कि Kashmir legally हमारा है और UN को Pakistan के illegal occupation को खत्म करने में मदद करनी चाहिए। | Book: India After Gandhi | https://amzn.in/d/c9S10ak |
| 48 | इसके बाद 1 January 1949 को ceasefire हो गया। जहां जिसकी army खड़ी थी, वहीं line खिंच गई। इस line को Ceasefire Line कहा गया, जो बाद में Line of Control बन गई। Kashmir जो पूरा India का होना था, उसका एक हिस्सा Pakistan के पास रह गया। | Frontline<br>25th March 2023 | https://frontline.thehindu.com/the-nation/1947-indo-pak-war-what-the-bucher-papers-show-after-being-declassified-in-the-uk/article66660363.ece |